Daily Current Affairs

Date : 11 April, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में 'राज-काज प्रणाली' की स्थिति
2.	राजस्थान विधानसभा की प्रमुख समितियों के सभापति
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2. सैन्य अभ्यास 'ब्रह्मास्त्र' 3. 'नाईन डॉट स्क्वायर' (Nine Dot Squares) एग्जीबिशन
4.	सोनम वांगचुक
5.	कमाल खर्राज़ी
6.	म्यांमार के नए राष्ट्रपति: मिन आंग ह्लाइंग
7.	फिनटेक पोर्टल
8.	चंपारण सत्याग्रह: 108वीं वर्षगांठ
9.	एशियाई विकास बैंक
10.	मेथनॉल
11.	महिला आरक्षण अधिनियम
12.	केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF)
13.	सिंधी भाषा में संविधान
14.	पुनात्सांगछू-II जलविद्युत परियोजना
15.	भारत-डेनमार्क आर्थिक संबंधों का सुदृढ़ीकरण
16.	सुर्ख़ियों में रही अंटार्कटिक की प्रजातियाँ
17.	खसरा (रूबेला)
18.	विश्व पार्किंसन दिवस
19.	एकीकृत वायु-विस्फोट परीक्षण
20.	इंडिया फार्मा सम्मेलन, 2026
21.	सतत विकास के लिए वित्तपोषण रिपोर्ट 2026

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान में 'राज-काज प्रणाली' की स्थिति

चर्चा में क्यों?

- राज-काज प्रणाली के अंतर्गत अप्रैल, 2026 तक राजस्थान के 71 प्रशासनिक विभागों एवं 57,000 से अधिक कार्यालयों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा चुका है, जिससे विभागीय समन्वय अत्यंत त्वरित एवं प्रभावी बना है।

मुख्य बिन्दु:

- राज-काज राजस्थान सरकार का एक एकीकृत ई-ऑफिस (e-Office) पोर्टल है। इसे राज्य सरकार के कामकाज को डिजिटल, पेपरलेस और पारदर्शी बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (DoIT&C) द्वारा विकसित किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह प्रणाली सचिवालय से लेकर जिला एवं ब्लॉक स्तर तक शासकीय एवं अर्ध-शासकीय कार्यालयों में शासन प्रक्रियाओं के पूर्ण डिजिटलीकरण को सुनिश्चित करती है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (अन्य प्रमुख एप्लीकेशन):

- राजस्थान सरकार ने नागरिकों की सुविधा और सरकारी सेवाओं को सरल बनाने के लिए कई महत्त्वपूर्ण डिजिटल ऐप्स लॉन्च किए हैं।
- **राजस्थान संपर्क 2.0 :** यह एक एकीकृत जन शिकायत निवारण मंच है। इसके माध्यम से नागरिक सरकारी सेवाओं से संबंधित अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं और उनके समाधान की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं।
- **e-Mitra :** यह ऐप राजस्थान सरकार की 600 से अधिक सेवाओं तक डिजिटल पहुँच प्रदान करता है।
- **RajCop सिटीजन :** राजस्थान पुलिस द्वारा विकसित यह ऐप नागरिकों की सुरक्षा के लिए है। इसके माध्यम से आपातकालीन मदद मांग सकते हैं, एफआईआर की स्थिति देख सकते हैं और पुलिस को सूचनाएं दे सकते हैं।
- **शाला दर्पण :** राज्य के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के लिए शैक्षणिक और प्रशासनिक डेटा साझा करने का प्रमुख मंच।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान विधानसभा की प्रमुख समितियों के सभापति

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा हाल ही में वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया।

मुख्य बिन्दु:

- **कार्यकाल :** 31 मार्च, 2027 तक।

प्रमुख समितियाँ व उनके सभापति:

क्र.	समिति का नाम	सभापति
1.	नियम समिति	वासुदेव देवनानी (पदेन)
2.	प्रश्न एवं संदर्भ समिति	राजेन्द्र पारीक

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	महिलाओं एवं बालकों के कल्याण हेतु समिति	कल्पना देवी
4.	पिछड़े वर्ग के कल्याण संबंधी समिति	नरेन्द्र बुडानियां
5.	अनुसूचित जाति कल्याण समिति	रमेश खींची
6.	अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति	फूल सिंह मीणा
7.	गृह तथा स्थानीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं संबंधी समिति	डॉ. जसवंत सिंह यादव
8.	पुस्तकालय एवं सरकारी आश्वासन समिति	हरिसिंह रावत
9.	याचिका एवं सदाचार समिति	कैलाश चन्द वर्मा
10.	विशेषाधिकार एवं अधीनस्थ विधान संबंधी समिति	जितेन्द्र कुमार गोठवाल
11.	अल्पसंख्यकों के कल्याण एवं पर्यावरण संबंधी समिति	केसाराम चौधरी
12.	सामान्य प्रयोजन समिति	वासुदेव देवनानी (पदेन)

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- नियम समिति में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, अशोक गहलोत और सचिन पायलट को सदस्य के रूप में नामित किया गया है।
- सामान्य प्रयोजनों संबंधी समिति में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली दोनों को सदस्य बनाया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**विश्व नवकार महामंत्र दिवस** ■ जयपुर के मालवीय नगर स्थित अणुविभा केन्द्र में 9 अप्रैल, 2026 को जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
2.	**सैन्य अभ्यास 'ब्रह्मास्त्र'** ■ भारतीय सेना ने हाल ही में पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 'सैन्य अभ्यास ब्रह्मास्त्र' का आयोजन किया। ■ इस युद्धाभ्यास का मुख्य आकर्षण AH-64E अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों का शक्ति प्रदर्शन था, जिन्हें 'आसमान के टैंक' (Tanks in the Air) भी कहा जाता है।
3.	**'नाईन डॉट स्क्वायर' (Nine Dot Squares) एग्जीबिशन** ■ **आयोजन :** 10 से 12 अप्रैल, 2026 तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC), जयपुर। ■ यह राजस्थान का एक प्रमुख डिजाइन और डेकोर एग्जीबिशन है, जो आधुनिक डिजाइन और पारंपरिक शिल्प कलाओं का अनूठा संगम पेश करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

सोनम वांगचुक

मुख्य बिन्दु:

- हाल ही में, महावीर चक्र से सम्मानित और वर्ष 1999 के करगिल युद्ध के वीर योद्धा कर्नल (सेवानिवृत्त) सोनम वांगचुक के निधन का निधन हो गया हैं।
- उन्होंने वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान लद्दाख स्काउट्स की 4वीं बटालियन का नेतृत्व किया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कमाल खर्राज़ी

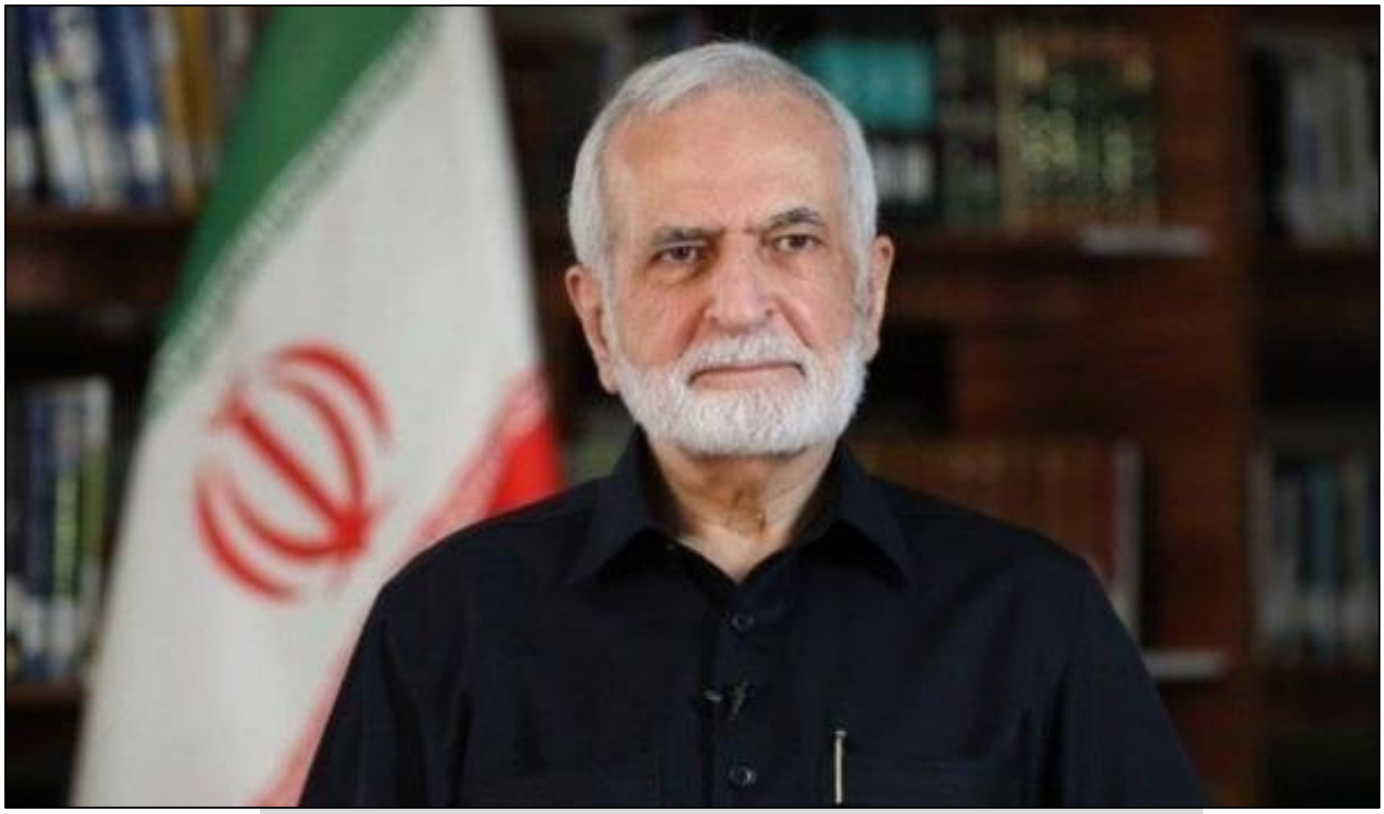

मुख्य बिन्दु:

- हाल ही में, ईरान के पूर्व विदेश मंत्री कमाल खर्राज़ी का निधन हो गया।
- खर्राज़ी वर्ष 1997 से वर्ष 2005 तक देश के विदेश मंत्री रहे।
- खर्राज़ी रणनीतिक विदेश संबंध परिषद के प्रमुख थे। यह संस्था विदेश नीति पर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली सलाहकार संस्था है और सीधे ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व को रिपोर्ट करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

म्यांमार के नए राष्ट्रपति: मिन आंग ह्लाइंग

मुख्य बिन्दु:

- हाल ही में, मिन आंग ह्लाइंग ने म्यांमार के नए निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली हैं।
- वर्ष 2021 में आंग सान सू ची की सरकार से सत्ता ग्रहण करने के बाद, श्री ह्लाइंग ने कड़े सैन्य नियंत्रण के साथ देश का नेतृत्व किया।
- शपथ लेने वाले नए मंत्रिमंडल के 30 सदस्यों में से 28 वर्तमान या पूर्व जनरल, सैन्य समर्थित यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी के सांसद या पिछली सैन्य सरकार के सदस्य हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फिनटेक पोर्टल

मुख्य बिन्दु:

- अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ- कैट और श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने मिलकर व्यापारियों के लिए एक नया फिनटेक पोर्टल शुरू किया है।
- इस पोर्टल के जरिए छोटे व्यापारियों, एमएसएमई और स्टार्टअप्स को आसानी से लोन मिल सकेगा।
- इसमें MSME, पर्सनल, गोल्ड और वाहन लोन जैसी कई वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

चंपारण सत्याग्रह: 108वीं वर्षगांठ

चर्चा में क्यों?

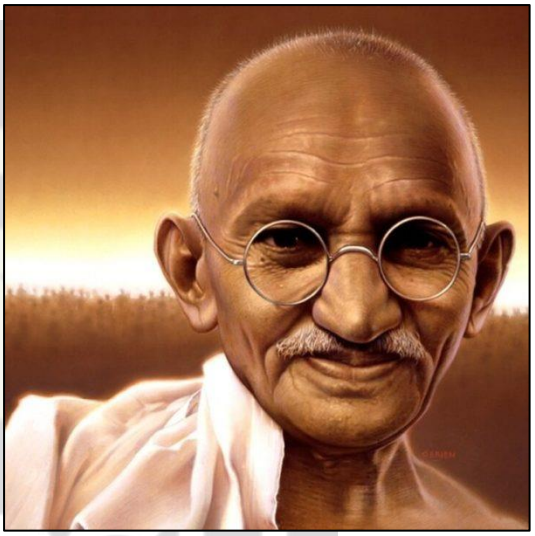

- 10 अप्रैल, 2026 को चंपारण सत्याग्रह की 108वीं वर्षगांठ मनाई गई।

मुख्य बिन्दु:

- चंपारण सत्याग्रह (वर्ष 1917) महात्मा गांधी का भारत में पहला बड़ा सविनय अवज्ञा आंदोलन था।

चंपारण सत्याग्रह:

कारण और पृष्ठभूमि:

- रामनगर और बेतिया राज में ब्रिटिश नियंत्रित भूमि अनुबंधों के तहत दशकों से उत्तरी बिहार के चंपारण में नील की खेती की जाती रही थी।
- तिनकठिया प्रणाली के तहत् किसानों को अपनी भूमि के 15% (20 कट्ठा में से तीन कट्ठा) पर नील की खेती करने के लिये बाध्य किया जाता था।
- **प्रारंभिक किसान प्रतिरोध (वर्ष 1905-1908):** ब्रिटिश बागान मालिकों के खिलाफ पहला बड़ा किसान विद्रोह वर्ष 1905-08 के बीच मोतिहारी और बेतिया में हुआ।

गांधीजी की भूमिका और सत्याग्रह की रणनीति:

- चंपारण सत्याग्रह भारत में गांधीजी की पहली प्रत्यक्ष राजनीतिक कार्रवाई थी।
- **राजकुमार शुक्ला द्वारा आमंत्रण:** वर्ष 1916 में, चंपारण के एक किसान राजकुमार शुक्ला ने दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी के तरीकों से प्रभावित होकर उन्हें हस्तक्षेप करने के लिये आमंत्रित किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सत्याग्रह की उपलब्धियाँ और परिणाम:

- **जाँच आयोग का गठन:** किसानों की शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए बिहार के राज्यपाल को एक आयोग गठित करना पड़ा, जिसमें गांधीजी भी सदस्य के रूप में शामिल थे।
- **किसानों को मुआवज़ा:** ब्रिटिश बागान मालिकों ने शुरू में अवैध रूप से एकत्र की गई धनराशि को वापस करने से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में वे किसानों को 25% राशि लौटाने पर सहमत हो गए।
- **तिनकठिया प्रणाली का उन्मूलन:** इस आंदोलन के परिणामस्वरूप चंपारण कृषि अधिनियम (वर्ष 1918) पारित हुआ, जिसके तहत् तिनकठिया प्रणाली को समाप्त कर दिया गया।
- चंपारण ने भारत के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह के आंदोलनों को प्रेरित किया, जैसे- बारदोली सत्याग्रह (वर्ष 1928) और तेभागा आंदोलन (वर्ष1946-47)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

एशियाई विकास बैंक

मुख्य बिन्दु:

- एशियाई विकास बैंक (ADB) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है।
- एशिया और प्रशांत क्षेत्र की अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में इस वर्ष और अगले वर्ष कमी आएगी।
- पश्चिम एशिया में संघर्ष और निरंतर व्यापार अनिश्चितता के कारण इस क्षेत्र में आर्थिक विकास दर पिछले वर्ष के 5.4 प्रतिशत से घटकर इस और अगले वर्ष में 5.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मेथनॉल

चर्चा में क्यों?

- कांडला बंदरगाह ने मेथनॉल बंकरिंग की दिशा में प्रगति की है, जो हरित समुद्री परिवहन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिन्दु:

- मेथनॉल बंकरिंग वास्तव में एक बंकरिंग केंद्र से जहाज में मेथनॉल ईंधन स्थानांतरित करने की प्रक्रिया है।
- गुजरात के कच्छ जिले में स्थित कांडला बंदरगाह (दीनदयाल पोर्ट) स्वतंत्रता के बाद भारत में विकसित पहला महापत्तन था।

मेथनॉल (CH_3OH)

- मेथनॉल जल में घुलनशील और आसानी से जैव-अपघटनीय है। यह अल्कोहल नामक कार्बनिक रसायनों के समूह का सबसे सरल सदस्य है।
- इसे 'वुड अल्कोहल' के रूप में भी जाना जाता है। इंजन के ईंधन के रूप में, मेथनॉल के रासायनिक और भौतिक गुण इथेनॉल के समान होते हैं।
- **उपयोग:** पेंट, कालीन, कपड़े, निर्माण सामग्री और स्वास्थ्य एवं दवा उत्पादों के उत्पादन के लिए एक रासायनिक बिल्डिंग ब्लॉक के रूप में।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

महिला आरक्षण अधिनियम

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने कहा कि विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण समय की मांग है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'महिला आरक्षण अधिनियम' को समय से पहले लागू करने के लिए एक संशोधन विधेयक के मसौदे को मंजूरी देने के बाद आई है।

मुख्य बिन्दु:

- इस संशोधन विधेयक के द्वारा अधिनियम को वर्ष 2029 के आम चुनावों में लागू करने का प्रयास किया जा रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- साथ ही, एक नए परिसीमन (delimitation) कार्य के बाद लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के भीतर महिलाओं को वर्टिकल आरक्षण देने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया।

महिला आरक्षण की पृष्ठभूमि

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम (106वां संविधान संशोधन अधिनियम) के अनुसार, इस अधिनियम के लागू होने के बाद की पहली जनगणना के पश्चात किए जाने वाले परिसीमन कार्य के बाद महिला आरक्षण लागू होना था।
- हालांकि, 2027 की जनगणना के परिणाम का इंतजार करने से उपर्युक्त अधिनियम के क्रियान्वयन में देरी हो सकती थी, इसलिए 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन आयोजित करने से इसका शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रावधान

- **पारित:** नारी शक्ति वंदन विधेयक वर्ष 2023 में संसद से पारित होने के बाद अधिनियम बना।
- **विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण:** लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित की गई हैं।
- यह आरक्षण अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए आरक्षित सीटों पर भी लागू होगा।
- **सीटों का रोटेशन:**महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों का परिसीमन के बाद प्रत्येक बार परिवर्तित किया जाएगा, जैसा कि संसद द्वारा निर्धारित कानून में प्रावधान होगा।
- **अधिनियम के द्वारा संविधान में निम्नलिखित नए अनुच्छेदों को शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है:**
  - **अनुच्छेद 330A:** लोकसभा में आरक्षण।
  - **अनुच्छेद 332A:** राज्य विधानसभाओं में आरक्षण।
  - **अनुच्छेद 239AA:** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा में आरक्षण।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF)

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) अधिनियम, 2026 अधिसूचित कर दिया।

मुख्य बिन्दु:

- यह अधिनियम पाँच CAPFs (CRPF, CISF, BSF, ITBP, SSB) के अधिकारियों के लिए भर्ती, प्रतिनियुक्ति, पदोन्नति और सेवा शर्तों को विनियमित करने हेतु एक एकीकृत कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

CAPF

- ये सात सशस्त्र पुलिस संगठन हैं जो केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करते हैं।
- असम राइफल्स प्रशासनिक रूप से केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है। हालांकि, इसका परिचालन नियंत्रण रक्षा मंत्रालय के पास होता है।
- CAPFs में असम राइफल्स (AR), सीमा सुरक्षा बल (BSF), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) और सशस्त्र सीमा बल (SSB) शामिल हैं।
- इनका नेतृत्व DGP रैंक के अधिकारियों द्वारा किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सिंधी भाषा में संविधान

चर्चा में क्यों?

- उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में सिंधी भाषा में भारत के संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया।

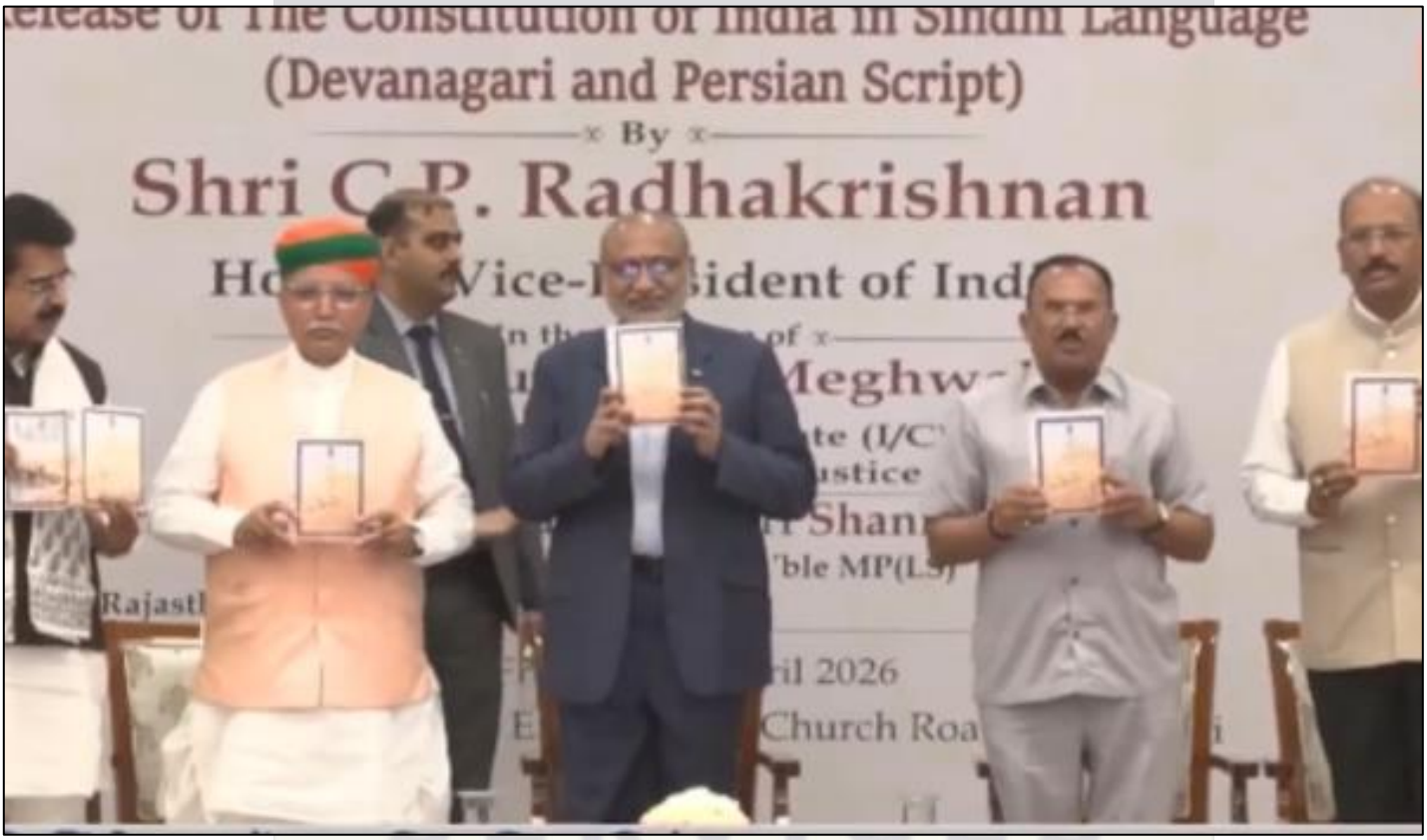

मुख्य बिन्दु:

- भारत की स्वतंत्रता के बाद पहली बार देवनागरी लिपि में सिंधी संविधान का संस्करण जारी किया गया है।

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची:

- इस अनुसूची में भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषाओं को सूचीबद्ध किया गया है। भारतीय संविधान के भाग XVII में अनुच्छेद 343 से 351 तक शामिल अनुच्छेद आधिकारिक भाषाओं से संबंधित हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **अनुच्छेद-344:** अनुच्छेद 344(1) संविधान के प्रारंभ से पाँच वर्ष की समाप्ति पर राष्ट्रपति द्वारा एक आयोग के गठन का प्रावधान करता है।
- **अनुच्छेद-351:** यह हिंदी भाषा को विकसित करने के लिये इसके प्रसार का प्रावधान करता है।

- **आधिकारिक भाषाएँ:** 22 भाषाएँ (असमिया, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगू, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी)।
- इन भाषाओं में से 14 भाषाओं को संविधान के प्रारंभ में ही शामिल कर लिया गया था।

संशोधन:

- **21वाँ सविधान संशोधन अधिनियम:** वर्ष 1967 में सिंधी भाषा को 21वें सविधान संशोधन अधिनियम द्वारा आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था।
- **71 वाँ सविधान संशोधन अधिनियम:** वर्ष 1992 में 71वें संशोधन अधिनियम द्वारा कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली को शामिल किया गया।
- **92 वाँ सविधान संशोधन अधिनियम:** वर्ष 2003 में 92वें सविधान संशोधन अधिनियम जो कि वर्ष 2004 से प्रभावी हुआ, द्वारा बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

पुनात्सांगछू-II जलविद्युत परियोजना

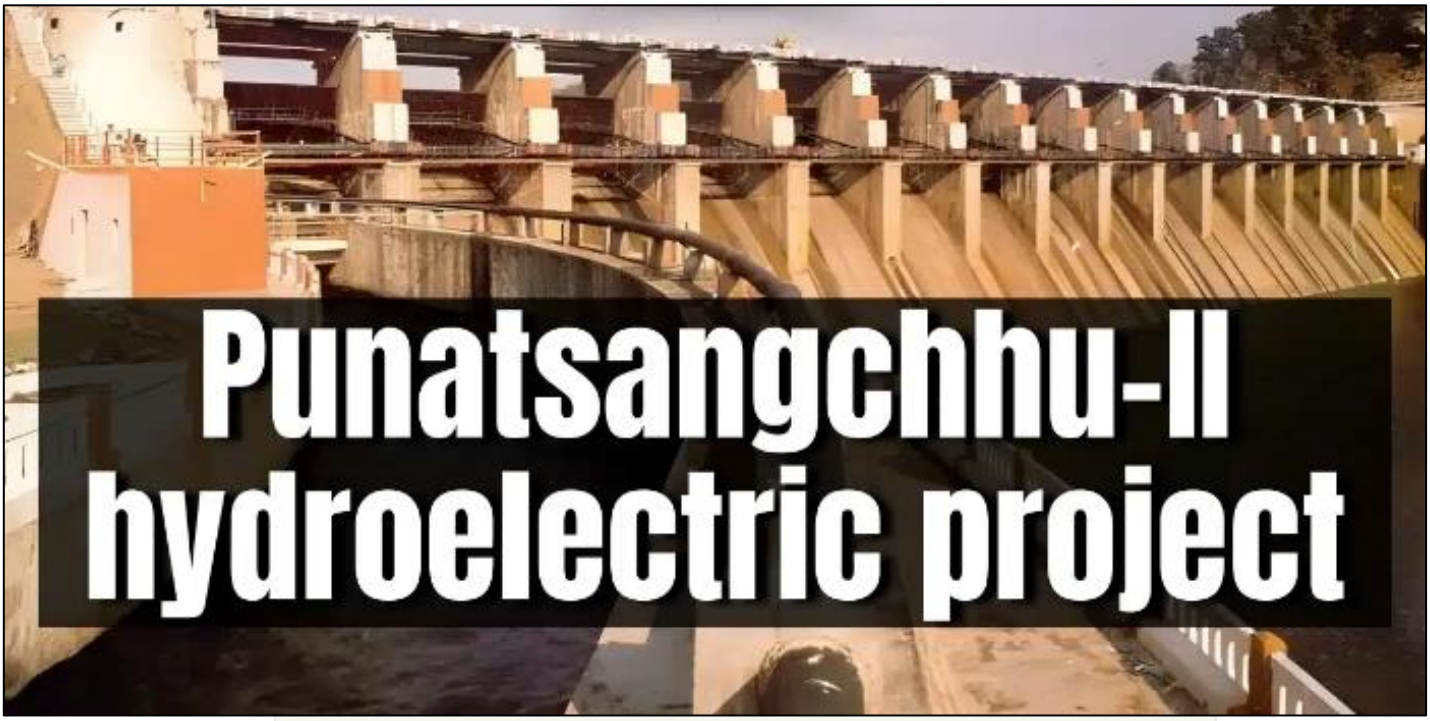

मुख्य बिन्दु:

- भारत और भूटान ने पुनात्सांगछू-II जलविद्युत परियोजना के टैरिफ प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह पुनात्सांगछू नदी पर 1020 मेगावाट की 'रन ऑफ द रिवर' परियोजना है।
- **उद्गम:** भूटान में फोछू और मोछू नदियों के संगम से पुनात्सांगछू नदी उत्पन्न होती है।
- यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई पश्चिम बंगाल के भारतीय मैदानों में प्रवेश करती है। यह ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत-डेनमार्क आर्थिक संबंधों का सुदृढ़ीकरण

चर्चा में क्यों?

- डेनमार्क ने भारत में पहले डेनिश चैंबर ऑफ कॉमर्स की स्थापना की घोषणा की है, जिसे नई दिल्ली में स्थापित किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- यह चैंबर आपसी संवाद के लिए एक संस्थागत मंच प्रदान करके भारत और डेनमार्क के बीच व्यापारिक संबंधों को सुगम बनाएगा।
- यह भारत में पहले से ही कार्यरत डेनिश कंपनियों के साथ-साथ भारतीय बाजार में प्रवेश करने की योजना बना रही कंपनियों को भी सहायता प्रदान करेगा।

भारत-डेनमार्क संबंध

- भारत और डेनमार्क के बीच राजनयिक संबंध औपचारिक रूप से 1949 में स्थापित हुए थे।
- द्विपक्षीय संबंधों को 2020 में हरित रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया गया।
- **आर्थिक संबंध:** भारत और डेनमार्क के बीच 400 वर्षों से अधिक पुराने व्यापारिक संबंध हैं। भारत में डेनमार्क की 225 से अधिक सहायक कंपनियाँ कार्यरत हैं।
- भारत और डेनमार्क के बीच वस्तुओं और सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार की कुल मात्रा 2024 में लगभग 7.8 बिलियन डॉलर है।
- भारत डेनमार्क को वस्त्र, वाहन और उसके पुर्जे, लोहा और इस्पात, धातु के सामान और चमड़े के उत्पाद निर्यात करता है।
- डेनमार्क भारत को औषधीय उत्पाद, बिजली उत्पादन मशीनरी, औद्योगिक मशीनरी, धातु अपशिष्ट, अयस्क और कार्बनिक रसायन निर्यात करता है।
- भारत और डेनमार्क ने कुशल पेशेवरों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए फरवरी 2024 में प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

सुर्ख़ियों में रही अंटार्कटिक की प्रजातियाँ

चर्चा में क्यों?

- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने अंटार्कटिक की कुछ प्रजातियों की संकटापन्न प्रजातियों की लाल सूची (Red List) को संशोधित किया है।

मुख्य बिन्दु:

एम्परर पेंगुइन (Aptenodytes forsteri):

- **संशोधित IUCN स्थिति:** एंडेंजर्ड, जो पहले 'नियर थ्रेटेन्ड' थी।
- **कारण:** जलवायु परिवर्तन।
- **विशेषताएँ:** यह पेंगुइन की 18 प्रजातियों में सबसे बड़ी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फर सील (Arctocephalus gazella):

- **संशोधित IUCN स्थिति:** एंडेंजर्ड, जो पहले 'लीस्ट कंसर्न' थी।
- **कारण:** जलवायु परिवर्तन।
- **विशेषताएँ:** ये सबसे छोटी सील हैं और सी लॉयन से निकटता से संबंधित हैं। ये चारों फ्लिपर्स (पंख/पाद) पर चलने में सक्षम हैं और जमीन पर प्रजनन करती हैं।

सदर्न एलीफेंट सील (Mirounga leonina):

- **संशोधित IUCN स्थिति:** वल्नरेबल, जो पहले 'लीस्ट कंसर्न' थी।
- **कारण:** बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा)।
- **विशेषताएँ:** ये पृथ्वी पर सील की सबसे बड़ी प्रजाति हैं। व्हेल के अलावा ये पृथ्वी पर सबसे बड़े स्तनपायी हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

खसरा (रूबेला)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में बांग्लादेश में खसरे के प्रकोप से 100 से अधिक बच्चों की मृत्यु हो गई।

मुख्य बिन्दु:

- **प्रकृति:** यह अत्यधिक संक्रामक RNA वायरस (जीनस मोरबिलाइवायरस) है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या बोलने के दौरान मुंह/नाक से निकली बारीक बूंदों के माध्यम से फैलता है। ये बूंदें हवा के जरिए दूसरे व्यक्ति में प्रवेश कर सकती हैं।
- **लक्षण:** तेज बुखार, नाक बहना, कंजंक्टिवाइटिस और कोप्लिक स्पॉट (मुँह के सफेद घाव) इसके लक्षण हैं।
- **जटिलताएं:** गंभीर मामलों में निमोनिया, एन्सेफलाइटिस और अंधापन हो सकते हैं।
- **रोकथाम:** सुरक्षित और प्रभावी दो-खुराक वाला MMR टीका (खसरा, मंप्स और रूबेला के विरुद्ध एक संयुक्त टीका)।
- भारत ने 2026 तक खसरा और रूबेला उन्मूलन का लक्ष्य रखा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विश्व पार्किंसन दिवस

चर्चा में क्यों?

- 11 अप्रैल, 2026 को विश्व भर में पार्किंसन रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व पार्किंसन दिवस मनाया जाता हैं।

मुख्य बिन्दु:

पार्किंसंस रोग:

- **परिचय:** पार्किंसंस रोग एक प्रगतिशील न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार है, जो चलने-फिरने में बाधा उत्पन्न करता है और समय के साथ गतिहीनता एवं मनोभ्रंश का कारण बन सकता है।
- विगत 25 वर्षों में इस रोग का प्रचलन दोगुना हो गया है। पार्किंसंस रोग से ग्रसित लोगों में वैश्विक स्तर की तुलना में भारत का हिस्सा लगभग 10% है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रभावित अंग:** यह तंत्रिका तंत्र और मस्तिष्क कोशिकाओं को प्रभावित करने वाला विकार है।
- **उपचार:** पार्किंसंस रोग का कोई उपचार नहीं है।

पार्किंसंस प्लस:

- पार्किंसंस प्लस सिंड्रोम, जिसे "एटिपिकल पार्किंसंस" भी कहा जाता है।
- पार्किंसंस प्लस सिंड्रोम "क्लासिक" पार्किंसंस रोग की तुलना में अधिक गंभीर और इलाज के लिए कठिन है।
- **प्रकार:** प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी (PSP), लेवी बॉडीज़ के साथ डेमेंसिया, मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी और कॉर्टिकोबासल अध:पतन (सबसे दुर्लभ)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

एकीकृत वायु-विस्फोट परीक्षण

चर्चा में क्यों?

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में गगनयान मिशन के लिए दूसरा सफल एकीकृत वायु-विस्फोट परीक्षण किया है।

मुख्य बिन्दु:

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में गगनयान मिशन के लिए दूसरा सफल एकीकृत वायु-विस्फोट परीक्षण किया है।
- पहला सफल परीक्षण 24 अगस्त, 2025 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में हुआ था। इसमें, चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.8 टन के डमी क्रू मॉड्यूल को तीन किलोमीटर की ऊंचाई से गिराया गया था।
- भारत का पहला मानव सहित अंतरिक्ष मिशन वर्ष 2027 में श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इंडिया फार्मा सम्मेलन, 2026

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** इंडिया फार्मा का 9वाँ आयोजन 13-14 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।
- **विषय:** 9वें आयोजन (वर्ष 2026) का विषय "भारत में खोज: जीवन विज्ञान नवाचार में छलांग " है, जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक फार्मास्युटिकल नेतृत्व और स्वास्थ्य सेवा परिवर्तन में सबसे आगे रखना है।
- **आयोजक:** औषधि विभाग और फिक्की द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।
- **उद्देश्य:** नवाचार को बढ़ावा देकर, नियामक ढांचों को सुदृढ़ करके और व्यापार करने में सुगमता बढ़ाकर एक भविष्य के लिए तैयार, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी फार्मास्युटिकल इको-सिस्टम का निर्माण करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **लक्ष्य:** निवेश को बढ़ावा देकर, निर्यात का विस्तार करके और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करके भारत को फार्मास्यूटिकल और जैव प्रौद्योगिकी के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना।
- **शुरुआत और परिचय:** इंडिया फार्मा की परिकल्पना वर्ष 2016 में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा फार्मास्युटिकल विभाग के सहयोग से उद्योग जगत और सरकार के बीच संवाद के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में की गई थी।

भारत की दवा उद्योग में वैश्विक स्थिति:

- मात्रा के हिसाब से तीसरे और मूल्य के हिसाब से 14वें स्थान पर है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 1.7 प्रतिशत का योगदान देता है।
- इस क्षेत्र का मूल्य लगभग 50 अरब अमेरिकी डॉलर है और अनुमान है कि वर्ष 2030 तक यह 130 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा, जिसमें निर्यात 30 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा।
- **भारत का जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र:** वैश्विक स्तर पर शीर्ष 12 और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है। लगभग 137 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन और वर्ष 2030 तक 300 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य के साथ यह क्षेत्र नवाचार, स्टार्टअप विकास और मजबूत अनुसंधान इंफ्रास्ट्रक्चर से प्रेरित है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

सतत विकास के लिए वित्तपोषण रिपोर्ट 2026

चर्चा में क्यों?

- यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक कार्य विभाग (DESA) ने जारी की है। इसमें विकास के वित्तपोषण को सही दिशा में मोड़ने में "सेविला प्रतिबद्धता' की भूमिका को रेखांकित किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

रिपोर्ट में रेखांकित मुद्दे

- **वैश्विक अर्थव्यवस्था की नाजुक स्थिति:** वैश्विक स्तर पर मैक्रोइकोनॉमिक स्थिति चुनौतीपूर्ण है और इसमें गिरावट की आशंका बनी हुई है।
- प्रत्येक चार में से एक विकासशील देश की प्रति व्यक्ति आय 2019 के स्तर से भी कम है।
- मध्य पूर्व में जारी संघर्ष से ऊर्जा की कीमतों, व्यापार और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **वित्तीय दबाव:** कई विकासशील देशों को ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज लेना पड़ रहा है, कर्ज चुकाने/रीफाइनेंस का जोखिम बढ़ गया है। पिछले दो दशकों में विकासशील देशों में कर राजस्व में बहुत कम वृद्धि हुई है।
- **अधिक विभाजित विश्व:** इससे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और विकास में सहयोग की संरचना प्रभावित हो रही है। सीमा-पार भुगतान प्रणालियों में बदलाव दिख रहा है, जैसे स्विफ्ट प्रणाली के विकल्पों का उभरना।

सेविला प्रतिबद्धता

- **अंगीकरण:** इसे 2025 में स्पेन के सेविला में आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय विकास वित्तपोषण सम्मेलन (FfD4) में अपनाया गया। इसका उद्देश्य SDGs को प्राप्त करने के लिए विकासशील देशों में 4 ट्रिलियन डॉलर के वार्षिक वित्तपोषण की कमी को दूर करना है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:** वैश्विक वित्तपोषण ढांचे में 280 कार्य योजनाओं का समावेश किया गया है।
- **सेविला प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन (SPA):** यह FFD4 में शुरू किया गया एक स्वैच्छिक और बहु-हितधारक तंत्र है। इसका उद्देश्य सेविला प्रतिबद्धता का शीघ्र क्रियान्वयन है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR